

मि. के. के.

आयोजनागत

संख्या: 611 /XI/2011 56(29)2010

प्रेषक,

डॉ० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
ग्राम्य विकास,
उत्तराखण्ड, पौड़ी।

ग्राम्य विकास अनुभाग देहरादून दिनांक 29 मार्च, 2011
विषय:- केन्द्र सहायतित जिला ग्राम्य विकास अभिकरण योजना हेतु
वित्तीय वर्ष 2010-11 में अवमुक्त केन्द्रों के सापेक्ष राज्यों के स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 4021/5-लेखा-73/डी. आर.डी.ए.प्र0म0/बजट/2010-11 दिनांक 21.3.2011 एवं पत्र संख्या: 3877/5-लेखा-73/डी.आर.डी.ए. प्रशा० मद०/2010-11 दिनांक 14.3.2011 के क्रम में शासनादेश संख्या: 805/XI/2010 56(29)2010T.C.I दिनांक 31.5.2010, शासनादेश संख्या: 739/XI/2010 56(29)2010 दिनांक 2.6.2010, शासनादेश संख्या: 1031/XI/2010 56(29)2010 दिनांक 17.8.2010, शासनादेश संख्या: 207/XI/2010 56(29)2010 दिनांक 03 फरवरी, 2011 तथा शासनादेश संख्या: 374/XI/2010 56(29)2010 दिनांक 15 मार्च, 2011 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ग्राम्य विकास विभाग के अधीन केन्द्र सहायतित जिला ग्राम्य विकास अभिकरण की प्रशासनिक मद हेतु वित्तीय वर्ष 2010-11 में अवमुक्त केन्द्रों के सापेक्ष राज्यों के रूप में रु० 1514 हजार की धनराशि बी०एम०-15 प्रपत्र के स्तम्भ-1 में उल्लिखित लेखाशीर्षक की मानक मद में आपके निर्वतन पर रखी गयी धनराशि के सापेक्ष स्तम्भ-4 की अवशेष सरप्लस धनराशि को स्तम्भ-5 में उल्लिखित लेखाशीर्षक की मानक मद में रु० 1514 हजार (रुपये पन्द्रह लाख चौदह हजार मात्र) की पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृति प्रदान कर आपके निर्वतन पर रखे जाने एवं नियमानुसार व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्राविधानों के अधीन प्रदान करते हैं:-

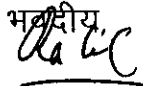
1. निर्वतन पर रखी जा रही धनराशि का आवंटन (जनपदवार फॉट) आयुक्त, ग्राम्य विकास, पौड़ी द्वारा अविलम्ब कर धनराशि संबंधित आहरण-वितरण अधिकारियों के निर्वतन पर नियमानुसार व्यय हेतु रखा जाना सुनिश्चित करेंगे।

2. संबंधित आहरण-वितरण अधिकारियों का दायित्व होगा कि प्रश्नगत योजना के लिए जनपद से संबंधित केन्द्रों की स्वीकृति आदेश के उपरान्त धनराशि की पुष्टि होने पर ही राज्योश की धनराशि नियमानुसार व्यय की जाय।
3. राज्योश की धनराशि का आवंटन नियमानुसार निर्धारित अनुपातिक आधार पर एवं संबंधित योजना हेतु नियोजन विभाग द्वारा आवंटित परिव्यय की सीमा के अन्तर्गत योजना के मार्गदर्शी सिद्धान्तों एवं मानकों के अनुसार नियमानुकूल किया जाय।
4. प्रश्नगत धनराशि उन्हीं कार्यों/प्रयोजनों पर ही व्यय की जाय जिनके लिए स्वीकृत की जा रही है, किसी भी स्थिति में इस धनराशि का व्यवर्तन नहीं किया जायेगा।
5. उक्त योजनाओं की धनराशि को व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य समक्ष प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
6. उक्त धनराशि को आवंटित एवं व्यय करते समय योजना के संबंध में भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों/मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि को व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत नियमों/आदेशों तथा योजना के सम्बन्ध में भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा जारी/जारी होने वाले दिशा-निर्देशों तथा मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों का परिपालन सुनिश्चित किया जाय।
7. स्वीकृतियों का रजिस्टर रखा जाय और प्रत्येक माह में स्वीकृति/व्यय संबंधी सूचना अद्यतन करते हुए स्वीकृतियों की प्रति सहित निर्धारित प्रपत्र बी०एम०-13 पर प्रत्येक माह की 05 तारीख तक शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
8. निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय/उपभोग दिनांक 31.03.2011 तक करते हुए अवशेष अप्रयुक्त धनराशि को समयान्तर्गत समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
9. योजना के संबंध में भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा जारी/जारी होने वाले दिशा निर्देशों तथा मितव्ययता संबंधी आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
10. उपरोक्त प्रस्तर-01 से 09 तक के दिशा निर्देशों में विचलन होने की स्थिति में इसकी सूचना तत्काल वित्त विभाग को उपलब्ध करा दी जाय।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय अनुदान संख्या-19 के अधीन लेखा शीर्षक 2501-ग्राम विकास के लिए विशेष कार्यक्रम 01-समेकित ग्राम विकास कार्यक्रम -800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत / केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें- आयोजनागत- 0104-जिला ग्राम्य विकास अभिकरण (75%के0स0) 43 -वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान की मद की धनराशि संलग्न बी0एम0-15 के कालम-1 की मानक मद की बचत रू0 1514 हजार के पुनर्विनियोग के माध्यम से वहन किया जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 488(P)/XXVII-4 /2011 दिनांक 29मार्च,2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक यथोपरि।


भण्डारी

(डॉ० राकेश कुमार)
सचिव

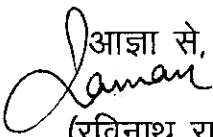
संख्या: 611 /XI/2011 56(29)2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, (लेखा परीक्षा) कार्यालय महालेखाकार, वैभव पैलेस, सी-1, / 105, इन्दिरा नगर, देहरादून।
- 2- महालेखाकार, (ए एण्ड ई), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर, रोड़, माजरा, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी / कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
- 4- जिलाधिकारी, बागेश्वर / पौड़ी।
- 5- मुख्य विकास अधिकारी, बागेश्वर / पौड़ी।
- 6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त लेखा, उत्तराखण्ड।
- 7- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, बागेश्वर / पौड़ी।
- 8- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, मा0 मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 9- निजी सचिव, मा0 मंत्री, मा0 ग्राम्य विकास मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 10- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- नियोजन विभाग / वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 12- गार्ड फाईल

संलग्नक- यथोपरि।


29/3/11

आज्ञा से,

(रविनाथ रामन)
अपर सचिव

बी0एम0-15

नियंत्रक अधिकारी का नाम- सचिव, ग्राम्य विकास।

(पैरा-156)

प्रशासकीय विभाग- ग्राम्य विकास
(धनराशि हजार रुपये में)

वित्तीय वर्ष 2010-11

प्रविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की अवशेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरप्लस धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है तथा स्थानान्तरित धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष धनराशि (स्तम्भ-1 में)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
आयोजनागत				आयोजनागत			
अनुदान संख्या- 19				अनुदान संख्या- 19			
2501-ग्राम विकास के लिए विशेष कार्यक्रम 01- समेकित ग्राम विकास कार्यक्रम 360- अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं 0102-स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना (75 प्रति 10 करोड़)(जि0यो0) 50-सब्सिडी- रु0 63176				2501-ग्राम विकास के लिए विशेष कार्यक्रम 01- समेकित ग्राम विकास कार्यक्रम 800- अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं 0104- जिला ग्राम्य विकास अभिकरण योजना (75प्रति 10 करोड़) 43-वैतन भत्ते आदि के लिये सहायक अनुदान रु0 1514			एस0जी0एसवाई की अनुदान संख्या-19 में परिलक्षित बचत की धनराशि को डी0आरडी0ए मद में केन्द्रों के सापेक्ष राज्यों की स्वीकृति हेतु प्रस्तावित ।
योग- 63176	23515	38147	1514		30426	61662	
प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150,151,155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।	23515	38147	1514	योग- 1514	30426	61662	


(हस्ताक्षर)

(रविनाथ रामन)

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग - 4
संख्या: 488/()XXVII-4/2011
देहरादून दिनांक 2 मार्च, 2011

पुनर्विनिर्देशन स्वीकृत।


(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव, वित्त

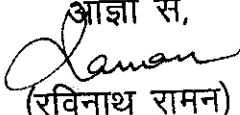
सवा में,

- 1- महालेखाकार, (लेखा परीक्षा)
कार्यालय महालेखाकार, वैभव
पैलेस, सी- 1./105, इन्दिरा नगर,
देहरादून।
- 2- महालेखाकार, (ए एण्ड ई),
ओबराय मोटर्स बिल्डिंग,
सहारनपुर, रोड़, माजरा,
देहरादून।

संख्या: 614(1)/XI2011 56(29)2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- आयुक्त, ग्राम्य विकास, पौड़ी।
- 2- जिलाधिकारी, बागेश्वर/ पौड़ी।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, बागेश्वर/पौड़ी
- 5- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(रविनाथ रामन)
अपर सचिव